



सपना का मनपसंद लंड का सपना पूरा हुआ

“हॉट गर्ल न्यू चुदाई कहानी मेरे सेक्स की है एक बड़ी उम्र के मर्द के साथ. मैं उनको उनकी बीवी की चुदाई करते देखती थी तो मेरी चूत गीली हो जाती थी. मैं भी उसका लंड लेना चाहती थी. ...”

Story By: (spnajain)

Posted: Saturday, May 6th, 2023

Categories: [Hindi Sex Story](#)

Online version: [सपना का मनपसंद लंड का सपना पूरा हुआ](#)

सपना का मनपसंद लंड का सपना पूरा हुआ

हॉट गर्ल न्यू चुदाई कहानी मेरे सेक्स की है एक बड़ी उम्र के मर्द के साथ. मैं उनको उनकी बीबी की चुदाई करते देखती थी तो मेरी चूत गीली हो जाती थी. मैं भी उसका लंड लेना चाहती थी.

यह कहानी सुनें.

New Recording

नमस्कार दोस्तो, मैं सपना जैन.

आप सभी के बहुत मेल्स आते हैं.

आपका इतना प्यार देख कर मुझे बहुत खुशी हुई।

मेरी पिछली कहानी थी : लॉकडाउन में लूडो से लौड़ा मिला

उसके बाद बहुत समय से मैं कोई कहानी नहीं लिख पाई क्योंकि लंबे समय से मेरी चूत में लंड का अकाल छाया हुआ था, कोई लंड मैंने नहीं लिया था।

पर कुछ दिन पहले आखिरकार एक दमदार चुदाई हुई जिसकी कहानी सुनकर आप सभी का पानी निकल जाएगा.

और जितना मजा मुझे उस रात मिला, उतना ही मजा मैं इस कहानी के माध्यम से आज आपको देने वाली हूँ.

तो दोस्तो, लंड थाम कर बैठ जाइए क्योंकि हॉट गर्ल न्यू चुदाई कहानी शुरू होने वाली है।

यह बात मेरी नई नई जवानी से जुड़ी है तो मैं आज वहीं से शुरुआत करती हूँ।
मैं अभी अभी जवान हुई थी और मेरा अभी मासिक शुरू हुए 6-7 महीने ही हुए थे।

हमारे घर के पास एक जोड़ा रहने आया था किराए पर!
वो ऊपर छत पर बने कमरे में रहते थे और उनकी छत मेरी छत के पास थी।

लड़के का नाम विक्रम और उनकी वाइफ का नाम शीला था।

शीला भाभी बड़ी ही हॉट थी. उनको देख कर गली में रंगत बढ़ गई थी.
और विक्रम भी दिखने में बहुत आकर्षक थे।

मैं किसी से इतना बात नहीं करती थी।
विक्रम बैंक में जॉब करते थे और भाभी घरेलू महिला थी।
मैं कभी कभी उनसे बात कर लेती थी।

दिन बीते, फिर सर्दियां आ गईं.

दिसंबर में बोर्ड की परीक्षा थी तो मैं पढ़ रही थी.
उस समय लाइट बहुत जाती थी तो रात में लाइट कट गई तो मैं थोड़ा इंतजार करने लगी.

मुझे नींद न आए इसलिए थोड़ा हवा में ऊपर चली गईं.
मैं काफी देर से ऊपर टहल रही थी.

थोड़ी देर में लाइट आई तो मेरी नजर पास के घर में खिड़की की ओर गईं.

मैंने देखा कि खिड़की खुली थी ; अंदर पलंग पर भाभी पूरे नंगे विक्रम के ऊपर थी और
विक्रम भी पूरे जोश से उनको ऊपर उछाल रहे थे.
भाभी भी सिसकारियां निकाल रही थी।

मैं यह नजारा देख कर झट से छिप गई.

उनको ऐसे देख कर मुझे गंदा और अजीब लगने लगा कि ये ऐसे नंगे होकर क्या कर रहे हैं.

मैं काफी देर उन्हें ऐसे चुदाई करते देखती रही.

और उनका थोड़ी देर में खेल खत्म हुआ तो उन्होंने बत्ती बंद कर दी।

मुझे और देखना था पर नहीं देख पाई.

मेरे मन में कई बातें आ रही थी पर एग्जाम थे तो मैं पढ़ने चली गई।

अगले दिन में स्कूल गई तो अपनी पक्की सहेली को सब बताया.

तो उसने कहा- पागल ... वे दोनों सेक्स कर रहे थे.

मैंने कहा- सेक्स क्या होता है ?

तो उसने मुझे सारा बताया कि ऐसा सब होता है.

वैसे मुझे ज्यादा कुछ समझ भी आया, पर जो भी था अच्छा लग रहा था।

मैंने अगली रात छत पर जाकर देखने की कोशिश की पर मुझे अंधेरे में कुछ नहीं दिखा।

ऐसे मैं कई दिन कोशिश करती रही पर मुझे कभी कुछ दिखता, कभी नहीं दिखता।

एक दिन मेरी आंख सुबह 5 बजे खुली.

मेरा मन उनको देखने का हो रहा था तो मैं चुपके चुपके ऊपर चली गई.

मेरी किस्मत से उस दिन हल्की हल्की रोशनी से दिख रहा था कि भाभी बेड के सहारे झुकी हुई थी और विक्रम खड़े खड़े उनकी पीछे से ले रहे थे.

मैं देखती रही !

थोड़ी देर बाद विक्रम ने अपना लंड बाहर निकाला.

मैंने देखा कि विक्रम का लंड मेरी पेंसिल से भी बड़ा था और मेरे खुले मुंह से दोगुना मोटा था.

मैं सोच रही थी कि इतना बड़ा लंड भाभी अपने अंदर कैसे ले रही हैं.

उतने मैं भाभी नीचे बैठी और विक्रम ने थोड़ा लंड हिला कर सारा पानी शीला भाभी के मुंह पर छोड़ दिया.

मुझे बहुत अच्छा लगा ये!

तभी मैंने महसूस किया कि मेरी चड्डी थोड़ी लपलपी और गीली हो गई है।

अगले दिन मैंने यह बात अपनी सहेली को बताई उसने मुझे कहा- तुझे वो लेने का मन है क्या ?

मैंने कहा- नहीं बाबा नहीं ... मर जाऊंगी ! इतना बड़ा था वो ! मैं नहीं ले सकती.

छुट्टी होने बाद मेरी सहेली उनके हॉस्टल में कुछ सीनियर लड़कियां जो उसकी दोस्त थी, उनके पास ले गई.

उसने उनको खुलकर बताया- यह लड़की मेरी क्लास से है और यह रोज अपने पड़ोस के एक कपल का सेक्स कांड देखती है.

वे सब हंसने लगी.

उन्होंने मुझे अपने पास बुलाया और पूछने लगी- तूने क्या देखा ? बड़ा था ? तेरा लेने का मन नहीं हुआ ? तूने उंगली की क्या ?

मैं शर्मा गई.

थोड़ी देर बाद उन्होंने मुझे सेक्स ज्ञान देना शुरू किया और मुझे वो बहुत अच्छा लगा.

मैं रोज छुट्टी बाद उनसे ये ज्ञान लेने जाती.

वे मुझे पोर्न दिखाती.

उस टाइम कीपैड फोन थे तो धीरे और कम क्वालिटी में ही मजे लेते थे।

मैंने देखा कि फोन में देख कर ही मेरी बुर गीली हो गई थी.

ये सब मैंने अपने मन में उस लड़की की जगह खुद को और लड़के की जगह विक्रम को सोचा. इससे मैं पानी पानी होने लगी।

मेरे मुंह से सिसकारियां आ रही थी.

तो एक लड़की हंसने लगी और मुझे बोली- बाथरूम में जा आ!

मैं फिर शर्मा गई.

मैं थोड़ा रुकी और बाथरूम गई तो मैंने देखा कि मेरी पूरी चड्डी गीली हो गई थी.

और तब मैं बहुत हल्का हल्का महसूस कर रही थी.

मैंने सोचा कि ये सब सोचना इतना मजा दे रहा है तो जब विक्रम मेरी प्यासी चूत के अंदर अपना लंड उतारेगा तब कितना मजा आयेगा।

यह सोच कर मैं घर चली गई.

कुछ दिन मैं रोज ऊपर जाती और बैठ जाती कभी देखने का सुख मिलता।

लेकिन कुछ दिनों के बाद ही मुझे पता चला कि विक्रम का ट्रांसफर हो गया है और वे दोनों चले गए घर छोड़ कर!

और मेरी विक्रम से चुदाने की ख्वाइश अधूरी ही रह गई।

इतने साल बाद मैं अपने एक रिश्तेदार के घर प्रोग्राम में गई थी.

उनके नए घर का उद्घाटन और कुछ और प्रोग्राम टा, कुल मिला कर मुझे वहां 6 दिन रहना था.

हम वहा पहुंचे

अगले दिन मुझे शॉपिंग करने जाना था और मेरे साथ 2-3 वहाँ की औरतें थी तो उन्होंने बोला कि विक्रम की गाड़ी से चल लेते हैं।

मुझे नहीं पता था कि यह वही विक्रम है जिसके लंड लेने के सपने मैंने कुछ वर्ष पूर्व सजाए थे और कई चड्डियां गीली की थी।

जिनके घर हम गए थे, विक्रम उनके साथ ही काम करता था और काफी जान पहचान थी। विक्रम अभी 45 साल का हो गया था. वह मुझे नहीं पहचान पा रहा था।

अब विक्रम की बाँडी काफी बदल गई थी पर हॉट वो अभी भी खूब था और अभी भी फिट!

हमने शॉपिंग की.

वापस आने के टाइम बाकी सब बोले कि उनको आने में देरी लगेगी. तो मैंने सोचा कि मैं विक्रम के साथ चली जाऊं.

मैंने विक्रम का नंबर लेकर फोन किया.

वह एक फोन से 10 मिनट में आ गया।

थोड़ी दूर चलने बाद मैंने उससे पूछा- शीला भाभी कैसी हैं ?

वो बोले- ठीक है.

फिर उसने पूछा- आप शीला को कैसे जानती हो ?

तो मैंने उनको पहले की सारी बातें याद दिलाई.

वे तब मुझे पहचाने और हंसने लगे।
उन्होंने मुझे घर छोड़ा और चले गए।

दिन में मेरी आंखें बस विक्रम को ढूंढ रही थी पर वह मुझे कहीं नहीं दिखा।

शाम को मैं वहाँ काम में थोड़ा हेल्प करने लगी।
उस वक्त मैं उदास थी कि मुझे विक्रम से बात करनी थी।

आखिर उसने मेरे शरीर की पुरानी आग को एक बार खतरनाक भड़का दिया था।
पता नहीं क्यों ... आज भी उसे देख कर वैसी ही खुजली मुझे मजसूस हुई, जैसी पहली
सेक्स फीलिंग पर होती थी।

मेरी चूत में शाम तक आग लगी पड़ी थी. मैं हर काम गलत कर रही थी.
पता नहीं ऐसा लग रहा था कि मेरा पूरा ध्यान बचपन में देखी चुदाई पर ही था।

ऐसे में 2 दिन बीत गए पर विक्रम मुझे कई भी नहीं दिखा।

और मेरी किस्मत से शाम को बड़ी ताई जी ने मुझे बोला- यह खाना शैलेश के दोस्त
विक्रम के घर दे आ!

उन्होंने मुझे एड्रेस बता दिया जो अगली गली के शुरू में ही था।

मैं निकल पड़ी।

मैंने वहाँ देखा कि गेट खुला है।

तो मैंने आवाज लगाई।

पर अंदर से किसी ने जवाब नहीं दिया।

मैंने दोबारा आवाज़ लगाई पर कोई नहीं आया।

तब मैंने देखा कि अंदर पंखा चल रहा है.

मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था पर मैं अंदर चली गई.

मैंने देखा कि विक्रम सोफे पर पैन्ट खोल कर फोन में पोर्न चला कर अपने लंड को सहला रहा है.

उसका लंड देख कर मैं हैरान रह गई. वह पहले दिखे लंड से भी बड़ा था और मोटा था और काला भी!

तभी उसने मुझे देख लिया और फटाफट सब साइड में रख कर पैन्ट पहनने लगा.

मैं भी इधर उधर देखने लगी।

वह बोलने लगा- आई एम सॉरी. मुझे नहीं पता था कि दरवाजा खुला है. मैं भूल गया था.

मैंने कहा- कोई बात नहीं. आई एम सॉरी ... मैं भी बिना अनुमति के आ गई.

वह बोला- आपकी गलती नहीं है.

इतने में मैंने वो खाना उसे दिया और बोली- ताई जी ने दिया है।

उसने थैंक यू बोला.

और मैं जाने लगी.

पर मेरे मन में सवाल आया, मैंने पूछा- आपकी इतनी हॉट बीवी है, फिर भी आप ये सब कर रहे हो ?

उसने मुझे बोला- वह काम की वजह से बाहर ही रहती है. और उसको अब सेक्स में इतना इंटरेस्ट नहीं तो मजबूरी में हाथ से काम चलाना पड़ता है।

तो मैंने कहा- आप भी इतने हॉट हो कि कोई भी पिघल जाए. और इतना बड़ा है आपका ...

कोई कैसे इंकार कर सकती है आपको ?

मैंने इतना बोला तो वह मेरे पास आया और बोला- आप भी इतनी हॉट हो गई हो. पहले जब देखा था तो इतने से थे. तब से ही कमाल थे अब तो बवाल हो गई हो !

इतना सुनकर मैंने पैन्ट के ऊपर से उसका खड़ा लंड दबोच लिया.
और उसने भी मुझे पास खींच लिया.

साथ ही मेरी चूत ने गुनगुना पानी छोड़ना शुरू कर दिया.
मैं अब उससे लिपट गई.

उसने खींच कर मेरी साड़ी को झट से मेरे बदन से अलग कर दिया और मेरे होंठ को पकड़ लिया.

मैंने उसकी पैन्ट के ऊपर से ही उसका लंड सहलाना शुरू किया.

अब उसने मुझे उल्टा घुमा दिया और मेरी पीठ पर चूमना शुरू किया.

मैं सिसकार रही थी कि उसने मुझे उठा लिया और बेडरूम में ले गया.

अब मैं खुश थी कि आज मेरी चूत में वो लंड घुसेगा जिसकी वजह से मेरी चूत ने पहली बार पानी छोड़ा था.

मैंने उल्टा घूम कर उसके पैन्ट का हुक खोला और अंडरवियर पर किस किया.

उसने मुझे बोला- तू कबसे प्यासी है ?

मैंने बोला- जब आप हमारे पड़ोसी थे, तब से !

उसने पूछा- क्यों ?

तो मैंने उसके लंड को बाहर निकाला और चूम कर चाट लिया और बोली- तुम्हारी चुदाई बहुत देखी है मैंने ! और तबसे तुम्हारे लंड को दिल में बसा रखा था.

उसने कहा- मैं तुम्हें इतना पसंद हूँ ?

मैंने कहा- तुम नहीं सिर्फ तुम्हारा ये वजनदार जानदार लंड !

उसने कहा- चल फिर आज इसी से तेरी चुदाई का सपना पूरा कर देता हूँ.

मैंने फट से उसका लंड मुंह में ले लिया और चूसने लगी.

उसका लंड बहुत गर्म हो गया था.

मैंने भी लपक लपक चूसना शुरू किया और होठों से लंड को दबाने लगी.

उसने मेरे बाल और गर्दन पकड़ी और जोर से धक्के दिए.

मेरे गले तक उसका लंड चोट दे रहा था.

मुझे लग रहा था कि लंड मेरा गला फाड़ देगा.

मैंने उसे थपथपा कर स्पीड कम करने को कहा.

उसने स्पीड कम की और लंड आधा ही डालना शुरू किया.

मैं बड़े मजे से उसका लंड ले रही थी.

मैंने पुरानी यादें ताजा की और जोश से भर गई.

तब मैंने उसके गोटे चूसे.

वह भी पूरे मजे ले रहा था.

मैंने धीरे धीरे उसके और मेरे सारे कपड़े निकाले, बाल खोल कर पीछे किए और लंड फिर मुंह में लिया.

अब उसने कहा- रानी, मेरी बीवी की याद आ गई.

मैंने कहा- मैं जब भी तुम दोनों की चुदाई देखती थी, मेरा मन करता था कि तुम को ज्वाइन कर लूं. पर हिम्मत नहीं हुई. और साथ में इतना बड़े लंड लेने में डीर भी लग रहा था. अब

तो इससे बड़े बड़े इस चूत को बजा चुके हैं तो डर खत्म हो गया है.

उसने कहा- क्यों, रंडीखाने में काम करती थी क्या ?

मैंने उससे कहा- नहीं ! पर जो लंड पसंद आ जाता है, मैं लेकर रहती हूँ।

उसने थोड़े धक्के बढ़ाए और रुक रुक कर जोर की धार से मेरा मुंह उसके माल से भर दिया.
6-7 पिचकारियों में वह पूरा खाली हो गया.

मेरे मुंह से उसका रस बाहर निकल रहा था. मैंने आधा रुमाल से साफ़ किया और बाकी पी गई.

मैंने मुंह साफ़ किया और उससे लिपट गई।

उसने बताया कि बड़े दिनों बाद ही इतना मजा आया है।

मैंने कहा- अभी तो और बहुत मजा बाकी है।

उसने मेरी गांड पे थप्पड़ जड़ा और बोला- हां !

और उसने मुझे कहा कि पहले वह और शीला बहुत सेक्स करते थे. पर फिर काम और उमर के साथ इंटरैस्ट खत्म हो गया उसका ! पर मुझे कई बार सेक्स करने का मन करता है।

उसने फिर उसकी और शीला की चुदाई के थोड़े किस्से सुनाए कि उन्होंने बाथरूम, ट्रेन और रेस्टोरेंट के बाथरूम और दोस्त की शादी के बाद सुहागरात के कमरे में भी सेक्स किया है.

मैं एक बार फिर रोमांस से भर गई.

हॉट गर्ल ने न्यू चुदाई के लिए उनका लंड सहलाना शुरू किया.

उसने मेरी गांड पे हाथ रखा और बोला- आज तेरी गांड तबले की तरह बजाने वाला हूँ.

मैंने नीचे होकर फिर से उसका लंड मुंह में लिया और थोड़ी मेहनत बाद उसके लंड में कड़क

वाला तनाव आ गया.

तभी मैंने पूछा- कंडोम है ?

उसने बोला- सेक्स तो होता नहीं है, कॉन्डम रखकर क्या करूंगा ?

मैंने रिस्क लेने की सोच ली. मैं अधूरे रहे ख्वाब को एक कॉन्डम की वजह से अधूरा नहीं छोड़ सकती थी.

मैं लेट गई और विक्रम मेरे ऊपर आ गया.

उसने मेरी चूत को छुआ और बोला- इतने लंड लेने बाद भी इतनी भरी भरी चूत है तेरी ! चल इसका पसीना निकलता हूँ.

मैंने उसको कस कर पकड़ लिया.

उसने मेरी चूत पर लंड थोड़ा रगड़ा और मेरी चूत के आस पास घुमाना शुरू किया.

मैं तड़प रही थी और वो जालिम मुझे तरसा रहा था.

मैंने उसे बोला- डाल दो न !

उसने 'यह ले' बोल कर जोर लगाया और लंड रास्ते में रुक गया.

मैंने अपनी टांगें और फैलाई और उनकी पीछे से सपोर्ट दिया.

तब मैंने आराम से फक मी बोला.

उसने यस बोल के जोर लगाया और उसका लंड अंदर घुस गया.

मैं थोड़ी चिल्लाई.

उसने मुझे पकड़ा और जोर के धक्के मारने शुरू किए और मेरी चूत बेदर्दी से मारने लगा.

मुझे मजे आने लगे.

मैं भी पीछे से उसे दबा रही थी.

उसने मेरी टांगें थोड़ी फैलाई और दबा के घुसाया.

उसका लंड मेरे पेट के पास महसूस हो रहा था, मुझे बहुत अच्छा लग रहा था.

मैं उसे बोली- और जोर से मारो डार्लिंग! तुम्हारा लंड लेने को बहुत तरसी हूँ मैं! मैंने पहला भी तुम्हारा ही देखा था. मेरी चूत पर तुम्हारा ही हक पहला था.

उसने बोला- उस टाइम लेती तो मर जाती.

मैंने कहा- इस लंड के लिए तो मैं मर भी सकती थी.

उसने मुझे बोला- फिर आज ही मजे ले ले पूरे!

मैंने उसे पकड़ कर लिपटा लिया.

उसकी धक्कों की स्पीड बहुत अच्छी थी.

मैंने उसे बोला- अब मैं तुम्हारे ऊपर आ जाती हूँ.

उसने मुझे ऊपर ले लिया और मैं उसके लंड पर बैठ गई.

उसका लंड लपक कर घुस गया मेरी चूत में!

मैंने जोर लगाया और उछलने लगी.

मैं पूरे मजे में थी.

उसने मेरी कमर पकड़ी और मेरी चूत मारने लगा.

मैं एक बार झड़ चुकी थी पर मजा अब भी बहुत आ रहा था.

उसने पूछा- कितने लंड ले चुकी हो ?

मैंने कहा- गिनती नहीं कर पाई !

उसने मुझे कहा- रण्डी है फिर तू !

मैंने कहा- अगर शौक पूरे करना रण्डीपन है तो हां हूँ ।

उसने मुझे और जोर से ऊपर नीचे करना चालू किया.

तब उसने कहा- चल घूम जा घोड़ी बन ... तेरी गांड मारूंगा आज !

मैंने स्माइल दी और घूम गई.

उसने मेरी गांड पर थोड़ा थूक लगाया और थोड़ी चौड़ी करके घुसा दिया.

मुझे बहुत अच्छा लग रहा था.

पर इतना दर्द मैं सहन नहीं कर पा रही थी.

थोड़ी देर बाद मेरी गान्ड अब ढीली हो गई, मुझे थोड़ा दर्द कम हुआ.

उस अफलातून ने मेरी गान्ड बजाना शुरू किया.

मैं दर्द के मारे उसका साथ नहीं दे पा रही थी.

पर इतने दर्द में भी मुझे अच्छा लग रहा था.

थोड़ी देर बाद वह झड़ गया और धीरे हो गया.

मैं भी थक चुकी थी और वह भी !

थोड़ी देर बाद मैं उठी, मैंने बाथरूम जाकर खुद को सही किया और साड़ी वापस पहनी और घर आ गई.

सब पूछने लगे- कहाँ थी ... कहाँ थी !

मैंने 'तबियत खराब थी तो सो गई थी' का बहाना दे दिया ।

रात में मैं सो गई.

फिर 3 बजे मुझे विक्रम का फोन आया कि आ जा !

मैंने कहा- नहीं आ सकती, सब शक करेंगे.

उसने बहुत रिक्वेस्ट की तो मैंने कहा- तुम्हारे घर तक तो नहीं. तुम आ जाओ, मैं गेट खोल देती हूँ, बाथरूम में हो सकता है.

तो उसने ऐसे ही किया.

मैंने चुपके से दरवाजा खोला और हम बाथरूम में चले गए.

उसने कहा- जबसे तुझे चोदा है, सो नहीं पा रहा हूँ। ऐसी चूत है तेरी!

मैं नीचे झुकी, उसका लोअर नीचे किया, लंड मुंह में ले लिया और चूसने लगी.

5 मिनट चूसने बाद वो टॉयलेट सीट पर बैठ गया और मैं उसकी गोदी में आ गई.

उसका पूरा लंड मेरी चूत में घुस गया.

मैं हल्की हल्की सिसकारियां भरने लगी.

करीब 10 मिनट बाद उसने मुझे उल्टा खड़ा किया और नल के सहारे मेरी कमर पकड़ी और मेरी गांड के अंदर घुसा दिया और खड़े खड़े मेरी गांड बजाई.

मैं भी पूरे जोश में चुदाई करवा रही थी.

थोड़ी देर बाद उसने मेरी गांड को खुद के रस से भर दिया।

बाथरूम में मैंने खुद को सही किया और बाहर आई.

सब ठीक थक देख मैंने पीछे से उसे बुलाया और घर से बाहर भेज दिया ।

अगले 3 दिन मेरी खूब चुदाई हुई.

हमने शॉपिंग मॉल के चेंजिंग रूम में भी सेक्स किया और घर के स्टोर रूम में भी !

आप सब मुझे मेल करके जरूर बताएं कि हॉट गर्ल न्यू चुदाई कहानी कैसी लगी.

spnajain1@gmail.com

Other stories you may be interested in

ये चूत मांगे मोर- 4

सेक्सी फ्रेंड वाइफ XXX कहानी में पढ़ें कि अक्षम पति ने अपनी बीवी को अपने दोस्त को पटाकर सेक्स का मजा लेने को कहा. तो बीवी ने पति के दोस्त से कैसे चूत चुदवाई ? कहानी के तीसरे भाग जिगोलो से [...]

[Full Story >>>](#)

पति को तोहफे में दी नई चूत- 3

हॉट वाइफ न्यूड सेक्स कहानी में पढ़ें कि कैसे एक मेच्योर बीवी ने अपने पति को नयी चूत दिलाने के लिए अपने बिस्तर पर अपनी जवान किरायेदार को लिटा दिया. कहानी के पिछले भाग जवान लड़की की वासना को हवा [...]

[Full Story >>>](#)

ये चूत मांगे मोर- 3

न्यूड वर्जिन हॉट सेक्स कहानी में पढ़ें कि नपुंसक पति ने अपनी कुंवारी बीवी की अन्तर्वासना तृप्ति के लिए एक जिगोलो का प्रबंध किया और सारा खेल खुद देखा. कहानी के दूसरे भाग नपुंसक पति की दुल्हन की वासना में [...]

[Full Story >>>](#)

पति को तोहफे में दी नई चूत- 2

लेस्बियन गर्ल्स पोर्न कहानी में एक आंटी ने अपनी जवान किरायेदार शादीशुदा लड़की को अपने पति से चुदवाने के लिए उसके साथ समलिंगी सेक्स करके उसकी अन्तर्वासना को हवा दे दी. मेरी कहानी के पहले भाग किरायेदार लड़की की वासना [...]

[Full Story >>>](#)

ये चूत मांगे मोर- 2

न्यूड वाइफ हॉट स्टोरी में पढ़ें कि जब पति अपनी दुल्हन की यौन पिपासा को शांत करने में असफल रहा तो उसने एक मसाज बॉय को बुलाया जो उसकी पत्नी को खुश कर सकता था. कहानी के पहले भाग नपुंसक [...]

[Full Story >>>](#)

